भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2665

11 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

देश में लिपिड विकारों की जांच

2665. श्री एस. निरंजन रेड्डी:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-भारत मधुमेह (आईसीएमआर-इंडियाबी) के अध्ययन 2026 के अनुसार, लगभग 355 मिलियन भारतीयों में रक्त शर्करा और रक्तचाप सामान्य होने और मोटापा न होने के बावजूद लिपिड का स्तर असामान्य है, और 10 में से 9 भारतीय वयस्कों में लिपिड का कम से कम एक स्तर असामान्य है;

(ख) क्या सरकार ने इसके संभावित कारणों का पता लगाने के लिए कोई आकलन किया है, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत लिपिड विकारों की जांच को सुदृढ़ करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने सूचित किया है कि सामान्य बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई), सामान्य ग्लूकोज सहनशीलता और सामान्य रक्तचाप होने के बावजूद 40 प्रतिशत व्यक्ति डिस्लिपिडेमिया से ग्रस्त थे। यह काफी हद तक कम एचडीएल कोलेस्ट्रॉल (कम अच्छा कोलेस्ट्रॉल जो 'एशियाई भारतीय' फेनोटाइप का हिस्सा है) के उच्च प्रसार के कारण है।

(ख): आईसीएमआर ने यह भी सूचित किया है कि भारतीयों में डिस्लिपिडेमिया कई कारकों से प्रभावित होता है, जिसमें तेजी से शहरीकरण, जनांकिकीय परिवर्तन, ग्रामीण-से-शहरी स्थानांतरण और तेजी से बढ़ रही निष्क्रिय जीवनशैली शामिल है। इन कारकों के साथ सघन ऊर्जा, प्रसंस्कृत और अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की ओर झुकाव भी शामिल हैं। सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक स्थितियों के साथ-साथ आनुवंशिक संवेदनशीलता भी लिपिड के स्तर को प्रभावित करती है। युवा भारतीयों में, अतिरिक्त शर्करा, ट्रांस वसा, सोडियम और परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट में उच्च अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की बढ़ती खपत का मोटापे और डिस्लिपिडेमिया की बढ़ती दर में योगदान हो सकता है।

(ग): राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के अंतर्गत:

i) जनसंख्या-आधारित स्क्रीनिंग को वर्तमान में 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वयस्कों के लिए सामान्य एनसीडी, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और तीन सामान्य कैंसर (मौखिक, स्तन, गर्भाशय ग्रीवा) पर केंद्रित किया गया है।

(ii) जिला एनसीडी क्लीनिकों और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) एनसीडी क्लीनिकों में, उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों (मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा या अन्य हृदय संबंधी जोखिम कारकों वाले) की आगे की जांच की जाती है, जिसमें व्यापक जोखिम मूल्यांकन और प्रबंधन के तहत लिपिड प्रोफाइल मूल्यांकन शामिल है।

iii) स्वास्थ्य संवर्धन, जीवन शैली में सुधार (आहार, शारीरिक क्रियाएँ), शीघ्र निदान, उपचार और अनुवर्ती कार्रवाई पर बल दिया गया है।

*****